

दहनोल्का (दहन + उल्का) f. Feuerbrand TRIK. 1, 1, 70.

दहर 1) adj. klein, fein: अथ यदस्मिन्ब्रह्मपुरे दहरं पाण्डरीकं वेषम द-  
हरो ऽस्मिन्नत्राकाशः KHAND. UP. 8, 1, 1. Ind. St. 2, 182. दहरविद्या COL-  
LEBR. Misc. Ess. I, 326. हृद्यं BHĀG. P. 10, 81 im ÇKDR. कौशं वासः — च-  
एडातकं दहरं वा fein KĀTJ. ÇR. 14, 5, 3. jung an Jahren, im Gegens. zu वृद्ध  
VJUP. 101. SADDH. P. 4, 21, b. = डिम्ब H. an. 3, 562. = बालक MB. r. 166.

— 2) m. a) ein jüngerer Bruder. — b) Maus H. an. MED. — Vgl. दध्, दह्.

दहरक adj. = दहर = ह्रस्व NAIGH. 3, 2. अहानि (im Gegensatz zu  
महात्ति) KAUSH. Br. 19, 3.

दहरपृष्ठ (द + पृ) n. N. eines Abschnitts im TV. Ind. St. 3, 383. —  
Vgl. महापृष्ठ.

दहरसूत्र (द + सूत्र) n. Titel eines buddh. Sūtra BURN. Intr. 200,  
N. 1. 628.

दक्षिणक (?) m. ein best. Vogel Verz. d. B. H. No. 897.

दह् 1) adj. = दहर klein, fein MAHĀNĀ. UP. in Ind. St. 2, 91. — 2)  
subst. die Höhlung im Herzen, das Herz selbst BHĀG. P. 3, 12, 44. 28, 33.  
6, 9, 44. — Identisch mit दध् und auch daraus entstanden. Nach UNĀDIS.  
2, 13 geht दह् auf दह् zurück; nach UGĒVAL. m. Waldbrand; nach Uṇ.,  
Sch. Feuer.

दह्यामि (दह् + अमि) m. N. Agastja's in einer früheren Geburt  
BHĀG. P. 4, 1, 36. Vom Schol. (ÇKDR.) durch ङहरामि umschrieben.

1. दा (दद्, दाप्) A. Präsensformen: a) ददाति DAĀTUP. 25, 9. दैतम्, दै-  
न्मम्, दैन्मसि, दैदति; देद्वि (P. 6, 4, 119), दद्वि (RV. 2, 17, 7), ददात्, ददातु,  
ददत्, ददत्, ददतु; दद्यात्, अददात्, अददत्, अददात् und अददत्, अददत्, अददत्,  
ohne Augm. ददात्, ददात्, ददात्; partic. ददत्, ददत् u. s. w.; med. in  
Verbindung mit praep., namentlich mit आ. दत्, दत्से (AV. 12, 5, 56),  
दद्वे, दद्वे: दत्स्व, ददात्; ददोमहि, ददीरन्; अदत्. Vom simpl. med.:  
दत्ते PAÑKĀT. 38, 1. ददते KATHĀS. 8, 24. — b) दाति und दातु ved. (P. 6, 1,  
8, VArt. 3, Sch. P. 2, 4, 76, Sch.). — c) ददति 3. sg. (MBh. 3, 13422),  
ददति (MBh. 13, 3148); दद् (MBh. 9, 2442. MĀRK. P. 8, 35); अददत् (ved.  
und MBh. 2, 1880. 3, 10207. 12204. 13186. 13308. 7, 2284. R. 3, 4, 19. 5,  
58, 14), ददत्, ददत्, ददन्; med. (mit bes. Bed. im Veda): ददे 1. und 3.  
sg., ददते 3. sg., ददते: ददमान, ददान् und ददान; अददत्, अददत् (SV., अदे-  
द्वि RV.); ep. ददस्व in der gew. Bed. MBh. 1, 3432. 7160. 2, 1512. 3, 10836.  
HARIV. 6341. R. GORR. 2, 32, 13. MĀRK. P. 8, 35. ŚĀN. D. 50, 1. — d) दद्वि  
MBh. 12, 10466. HARIV. 10838. 10861. R. 1, 29, 15. 2, 53, 21. (आ) दद्वि  
MBh. 2, 880. 14, 2753. — e) (आ) दायमान MBh. 1, 7029. — f) (आ) ददा-  
यन् (partic.) MUNḌ. UP. 1, 2, 5. — B. allgemeine Formen: aor. अदात् (P.  
2, 4, 77. Vop. 8, 25. 37), ved. दात्, दाताम्, दात, अदत्, इत्; दैसति NAIGH.  
2, 30. दैसयम् 2. du., देष्म VS. 2, 32; med. (mit praep.): अदित, अदिषि,  
अदिषत् 3. sg. (P. 1, 2, 17. Vop. 10, 11); perf. ददा, (पर) ददाय, दद्व्युत्,  
दद, दद्वत्; partic. ददावन् AV. 5, 11, 1. दद्वान् RV. 10, 132, 3. दद्वैत्सम्  
(Vop. 26, 433), दद्वेष् u. s. w.; med. (प्र) दद्वैरे: दददे, दददते, ददद्विरे P.  
6, 4, 126, Sch. Vop. 8, 52. 106.; fut. दास्येति, med. दास्ये, दास्यते, दास्यते  
beim simpl. MBh. 3, 10584. 12687. 5, 7489. BHĀG. 3, 12. HARIV. 9219. R.  
1, 10, 6. 34, 29. 2, 30, 15. MĀRK. P. 18, 21; prec. देयात् P. 6, 4, 67. Vop. 8,  
85, 87. (पर) देयाम् ved. — दातुम्, दातवे, दातवे (SIDDH. K. 229, b, 4); द-  
त्वा, दत्वाय (P. 7, 1, 47, Schol.), दाय P. 6, 4, 69. (उप) दद्य. — pass. दीयते

P. 6, 4, 66; अदिषाताम् und अदायिषाताम्, अदायि (P. 7, 3, 33, Sch.); ददे;  
दायिष्यते; दासीष्ट und दायिमीष्ट P. 6, 4, 62. Vop. 24, 4, 5; उपदद्यमान  
vom Stamme दद्; partic. दत्, nach vocalisch auslautenden praep. त्  
(P. 7, 4, 46. 47; vgl. auch देवत् RV. 1, 37, 4) und दत्, व्यात् und व्यादित,  
दात् in ददात्. 1) geben, schenken; verleihen, gewähren; mit acc. (oder  
partitivem gen.) der Sache, dat. gen. oder loc. (loc. nicht in der älteren  
Sprache) der Person: मा निन्दत् य इमां मह्यं रातिं देवा ददौ RV. 4, 5, 2.  
अहं भूमिमददामार्याय 26, 2. गवां चत्वारि ददतः सकृन्ना 5, 30, 12. उप्रं नो  
ऽवः पार्यं अहन्दाः 6, 26, 1. यमो ददात्यवसानंमस्मै 10, 14, 9. मदे हि प्मा  
ददाति नः 8, 1, 21. यदीं ब्रह्मभ्य इददः 45, 39. नकिर्वत्ता न ददाति 32, 15.  
महो रूयो राधसो यददन्नः 7, 28, 5. 56, 15. 57, 16. 1, 39, 9. किं नोडुडं ह-  
र्षेण दात्वा उं 4, 21, 9. दातवे वसुं 7, 59, 6. 4, 20, 10. 8, 19, 29. इणो रूयो दा-  
तोः 7, 4, 6. AV. 3, 5, 3. 6, 24, 1. 71, 3. 10, 6, 29. 14, 2, 42. ÇAT. Br. 2, 3, 4,  
6. दास्यन्भवति 5, 1, 4, 11. 11, 4, 3, 7. 5, 1, 12. KĀTJ. ÇR. 4, 6, 10. 10, 12. दी-  
यमानं न प्रत्याचक्षीत् 22, 1, 32. ददे (pass.) वो मदि तृतीयं सवन् मदीय RV.  
4, 34, 4. यथा स्तोमो ददे वः 37, 4. ज्योतिः पितृभिर्दत्तम् 10, 107, 1. 2, 38, 11.  
8, 45, 32. इन्द्रो दातो वरुणो णिष्टः AV. 3, 5, 4. 6, 123, 4. — ददस्व — द्वि-  
जाप्रेभ्यो ऽहो धनम् R. GORR. 2, 32, 13. M. 3, 31. तीरं ज्ञातमात्रस्य — द-  
दुः R. 1, 38, 24. कथमस्य स्तनं दास्ये HARIV. 9219. ददति वसुधां स्फोतां  
ये वेदविद्विषि द्विजे MBh. 13, 3148. R. 2, 79, 15. ददित्ते दीयते ad HIT. I, 10.  
सेचनघटैर्वीलपादपेभ्यः पयो दातुम् ÇĀK. 8, 23. ददस्व शर्मं प्रविशिततो ऽस्य  
MBh. 3, 10836. अयं चाभिषेकं च ददाम्यस्मै HARIV. 5709. श्रुतो हितोप-  
देशो ऽयं पाठवं संस्कृतोक्तिषु। वाचो सर्वत्र वैचिच्यं नीतिविद्यया ददाति च ॥  
HIT. Pr. 2. वरम् eine Wahl —, einen Wunsch Jmd gewähren ÇAT. Br. 11,  
5, 4, 12. KĀTJ. ÇR. 4, 8, 10. N. 1, 8. MBh. 2, 1512. 3, 2225. HARIV. 10858.  
R. 1, 4, 22. MĀRK. P. 18, 21. अत्रकाशम् Platz, Raum, Einlass geben JĀGĀ.  
2, 276. MĀRK. 44, 22. RAGH. 4, 58. PAÑKĀT. I, 410. AMAR. 18. KATHĀS. 20,  
71; vgl. M. 9, 27. 1. 278. मा चेदस्मै न दद्यात् wenn sie es ihm nicht gewährt  
(näml. den Beischlaf) ÇAT. Br. 14, 9, 4. 7. eine Tochter Jmd zur Frau geben:  
ददौ कन्यां तदा चास्मै भार्याम् R. 1, 9, 69. BHĀG. P. 6, 18, 11. gew. ohne  
भार्याम् M. 5, 151. 9, 71. 88. 91. JĀGĀ. 2, 146. 3, 24. MBh. 3, 10998. R. 1,  
66, 27. VID. 195. प्राणान् जीवितम् Jmd das Leben schenken DRAUP. 7,  
8. 9, 11. VID. 207. geben so v. a. hergeben, abtreten: दद्याच्चैवासनं स्व-  
कम् M. 4, 154. mit dem instr. des Preises: गवां शतसकृन्नेण दीयतां श-  
वलां मम R. 1, 33, 8. 11. दातुमर्हसि मूल्येन सुतोक्मिती मम 61, 14. स ते  
ऽन्नहृद्यं दाता राजाश्चहृद्येन वै N. 14, 21. geben so v. a. reichen: दीय-  
तां वत्कलं मम R. 1, 2, 7. यवनी युद्धकाले राजो ऽन्नं ददाति Schol. zu  
ÇĀK. 20, 16. तामिश्च भद्राया यावत्स्नानाम्बु दीयते VID. 295. übergeben, ein-  
händigen: कर्षो चर्म च u. s. w. पशुषु स्वामिनो दद्यान्मृतेष्वङ्गानि दर्शयित्  
M. 8, 234. स्वयमेव सुयो (निलेयं) दद्यान्मृतस्य प्रत्यनन्तरे 186. अङ्गुलीयं दा-  
तुमिच्छति (nicht als Geschenk, sondern bloss zum Halten) ÇĀK. 17, 3. अ-  
न्योऽन्यस्य (परस्परं) तलान् (तलं) दा sich gegenseitig die Hand reichen  
MBh. 3, 14819. 9, 1860. HARIV. 15741. geben so v. a. herausgeben, wie-  
dergeben (= पुनर्दा MBh. 1, 3483. VID. 120): न हि दास्ये कथितकम् MBh.  
3, 10584. सो ऽत्तर्दशाकृतद्रव्यं दद्याच्चैवाददीत च M. 8, 222. 223. दीयतां  
टिट्ठिमस्यापाडानि PAÑKĀT. 84, 20. geben so v. a. zahlen: दाडम् eine Geld-  
busse M. 8, 341. 9, 229. पञ्च दद्याच्छतानि च 285. 8, 288. ऋणाम् eine Schuld  
abtragen 154. 159. 162. 177. 184. 189. 233. JĀGĀ. 2, 45. als Lohn geben: